मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 51, मुंबई, सोमवार, 21 मार्च, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
अब हर सच होगा उजागर

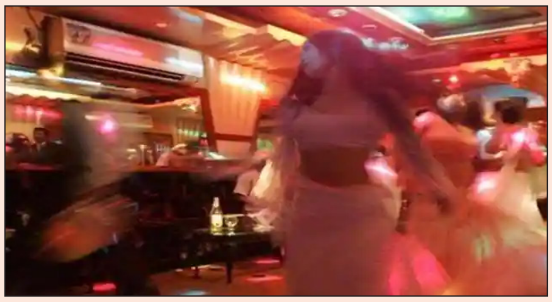

एसएस ब्रांच ने मलाड के एक बार में की छापेमारी

30 लोगों को किया गिरफ्तार

25 महिलाओं को छुड़ाया

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। मुंबई के मलाड इलाके में रविवार तड़के एक बार में छापेमारी कर 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 25 महिलाओं को बचाया गया। एक अधिकारी ने बताया कि यह छापेमारी शहर की अपराध शाखा की समाज सेवा शाखा ने की है। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

गोवा में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

मुंबई की टीवी एक्ट्रेस समेत तीन महिलाओं को किया गया रेस्क्यू, एक गिरफ्तार

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। गोवा पुलिस की अपराधा शाखा ने पणजी के पास संगोल्डा गांव में चल रहे सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस दौरान एक टीवी एक्ट्रेस समेत तीन महिलाओं और हैदराबाद के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, टीवी एक्ट्रेस और एक अन्य महिला मुंबई के पास विरार की रहने वाली है। तीसरी महिला हैदराबाद की है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मलाड पूर्व स्थित दिंडोशी पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

लगभग 3 किलो चरस के साथ 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के मालाड पूर्व स्थित दिंडोसी पुलिस ने लगभग 3 किलो चरस के साथ 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार। ये आरोपी बिहार से चरस बेचने मुंबई आये थे।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कुर्ला इलाके में एक दोस्त ने गांजा के लिए युवक को इमारत की छत से धकेला नीचे

मुंबई। मुंबई में यह बात सामने आई है कि एक दोस्त को गांजा के लिए एक इमारत की छत से नीचे धकेल दिया गया। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

बेटी की पढ़ाई छुड़ाकर बार में काम करने को मजबूर करने के लिये महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

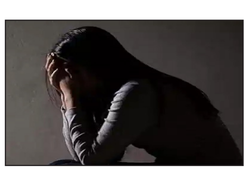

मुंबई। नवी मुंबई में बेटी को पढ़ाई छुड़ाकर बीयर बार में काम करने के लिए मजबूर करने के आरोप में एक महिला और उसके लिव-इन पार्टनर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। न्यू पनवेल थाने के सब-इंस्पेक्टर सुनील गिरी ने बताया कि 17 वर्षीय लड़की की शिकायत के आधार पर पुलिस ने 15 मार्च को महिला और उसके लिव-इन पार्टनर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। अधिकारी ने कहा कि लड़की ने अपनी शिकायत में दावा किया है कि उसकी मां व उसके लिव-इन पार्टनर ने उसे पढ़ाई छोड़ने और परिवार का हाथ बटाने के लिए बीयर बार में काम करने को मजबूर किया। **(शेष पृष्ठ 3 पर)**

हमारी बात

सिर्फ इस्लाम से घृणा क्यों?

संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा ने सर्वसम्मति से यह तय किया है कि हर साल 15 मार्च को सारी दुनिया में 'इस्लामघृणा-विरोधी दिवस' मनाया जाए याने इस्लामोफोबिया का विरोध किया जाए। दुनिया के कई देशों में इस्लाम के प्रति घृणा का भाव है। उनके मुसलमानों के साथ सिर्फ भेदभाव ही नहीं होता है बल्कि वे तरह-तरह के जुल्मों के शिकार भी होते हैं। चीन में लाखों उइगर मुसलमान यातना शिविरों में बंद हैं। अब से लगभग 20 साल पहले जब मैं शिनच्यांग की राजधानी उरुमची में गया था तो वहां के मुसलमानों की दुर्दशा देखकर दंग रह गया। यही हाल सोवियत संघ के जमाने में मध्य एशिया के गणराज्यों में रहनेवाले मुसलमानों का था। मैं जब इन गणराज्यों में जाया करता था तो इनके मुसलमान मुझे रूसी और फारसी भाषाओं में अपना दर्द खुलकर बयान कर देते थे, क्योंकि मुझे रूसी अनुवादक की जरुरत नहीं होती थी। व्लादिमीर पूतिन ने चेचन्या के मुसलमानों का हाल यूक्रेनियों से भी बुरा कर दिया था। फ्रांस, हालैंड और जापान आदि देशों में भी मुसलमानों पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसीलिए इस्लाम घृणा का विरोध जरुरी तो है लेकिन यह घृणा सिर्फ इस्लाम के खिलाफ ही नहीं, कई धर्मों, रंगों और जातियों के खिलाफ भी सारी दुनिया में देखी जाती है। इस्लामी देशों में तो इसका उग्रतम रुप देखा जाता है। सुन्नी देशों में शियाओं, हिंदुओं, ईसाइयों, यहूदियों और सिखों के साथ जो बर्ताव वहां की सरकारें और जनता करती है, यदि उसे आप देख लें तो आप दंग रह जाएंगे। मैं पिछले 50-55 साल में दर्जनों इस्लामी राष्ट्रों में रहा हूं, वहां मैंने इस्लाम के उत्कृष्ट मानवीय तत्वों को भी देखा है और विधर्मी अल्पसंख्यकों के साथ उनके अमानवीय व्यवहार को भी देखा है। ऐसा नहीं है कि यह प्रकृति सिर्फ इस्लामी देशों में ही है। मैंने कई बौद्ध, इसाई और यहूदी राष्ट्रों में भी देखा है कि वे अपने मुसलमान अल्पसंख्यकों के साथ ही नहीं, समस्त विद्यर्मियों के साथ बहुत सख्ती से पेश आते हैं। संयुक्तराष्ट्र के प्रस्ताव को मैं अधूरा इसीलिए मानता हूं कि यह सिर्फ इस्लाम से घृणा के खिलाफ है। क्या सिर्फ इस्लाम से ही लोग घृणा करते हैं? यह सभी धर्मों से घृणा के खिलाफ होना चाहिए। भारत तो सर्वधर्म समभाव का देश है। सहिष्णुता ही इसकी विशेषता है। ऐसा नहीं है कि यहां विधर्मियों के साथ सदा न्याय ही होता है। कई लोग मनमानी भी करते हैं लेकिन भारत की कोई भी सरकार किसी एक धर्म की रक्षा करे और बाकी के साथ अन्याय करे, यह नहीं हो सकता। इसीलिए संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रतिनिधि ने स्पष्ट शब्दों में इस प्रस्ताव के अधूरेपन को उजागर किया है। उसने विरोध नहीं किया, यह ठीक है लेकिन मैं तो कहता हूं कि पाकिस्तान द्वारा लाए गए इस प्रस्ताव पर संयुक्तराष्ट्र पुनर्विचार करे और इसे रचनात्मक रूप में पारित करे ताकि दुनिया का कोई भी व्यक्ति धार्मिक, सांप्रदायिक, जातीय, वर्ण आदि की घृणा का शिकार न हो। यदि इस्लामी राष्ट्र ही इसकी पहल करें तो इस्लामी-जगत की छवि में चार चांद लग जाएंगे।

चुनाव चिन्ह जब्त तब कांग्रेस का क्या?

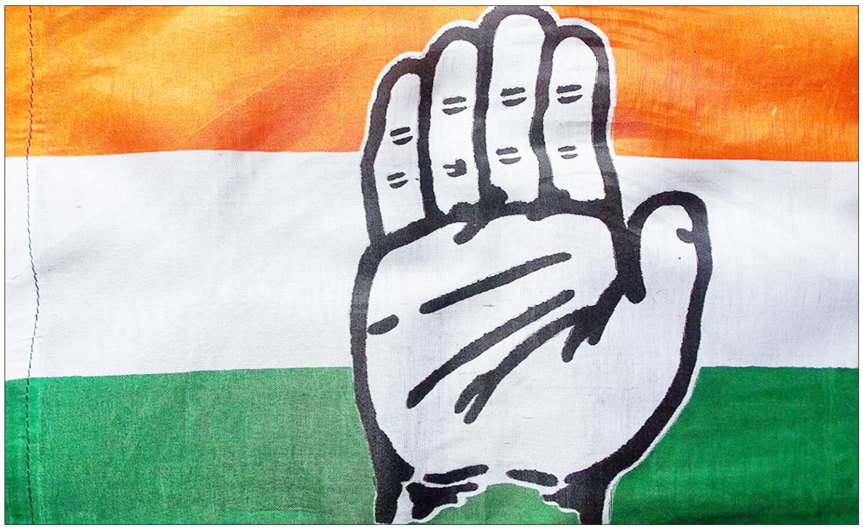

इसे कल्पना न मानें। नोट रखें नरेंद्र मोदी हैं तो सब मुमकिन है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी भले ऐसी कल्पना नहीं करें पर मोदी सरकार के लिए चुटकियों का काम है। हां, कांग्रेस में विद्रोह कराना, विद्रोहियों का एक पत्र चुनाव आयोग पहुंचवाना और फिर आयोग से चुनाव चिन्ह की जब्ती सब बहुत आसान। तब सोनिया-राहुल गांधी सुप्रीम कोर्ट या कहीं भी जाएं तो सुनवाई नहीं होगी। ज्यादा से ज्यादा नया चुनाव चिन्ह मिल जाएगा। उसकी अफरा-तफरी में सोनिया-राहुल क्या 2024 का लोकसभा चुनाव मनोबल से लड़ सकेंगे? इतना ही नहीं, संभव है जो विद्रोही अपने को 'सबकी कांग्रेस' घोषित कर सरकार की मदद से एआईसीसी के दफ्तर को अपना मुख्यालय घोषित करके राहुल-सोनिया की तख्तियां हटा दें। तब कितने कांग्रेसी विरोध में सड़क पर संघर्ष करते हुए होंगे? क्या अखबार-टीवी चैनलों पर कोई परिवार के लिए बोलता हुआ होगा? उलटे देश में नैरेटिव होगा कि कांग्रेस परिवारवाद से मुक्त हुई! सोचें, राहुल-प्रियंका अनशन-धरने पर बैठें तो उनके साथ प्रदर्शन में कितने लोग होंगे? राहुल गांधी अपने संगठन मंत्री वेणुगोपाल या सलाहकार-सहयोगी सचिन राव, कनिष्क सिंह, कन्हैया आदि से फोन करवा कर कार्यकर्ताओं को इकठ्ठा होने के लिए कहें तो दिल्ली में कितने हजार लोग जुटेंगे? क्या हुड्डा साथ होंगे? परिवार के लिए वे कितने सेकुलर, दलित, मुसलमान जुटेंगे, जिनकी चिंता में सोनिया-राहुल ने अपने को हिंदू जनभावनाओं से अलग करके रखा है! मेरा मानना है नरेंद्र मोदी परिवारवादियों से मुक्ति के रोडमैप पर लगातार काम कर रहे हैं। कांग्रेस अब क्योंकि खत्म (चार चुनावों के ताजा परिणाम) होती हुई मानी जा रही है तो नोट रखें दिसंबर 2023 तक कांग्रेस लगातार हारते हुए होगी। मोदी-शाह आप को बढ़ने देंगे, दूसरों को खेला करने देंगे लेकिन कांग्रेस को लोकसभा चुनाव से पहले कहीं नहीं जीतने देंगे। इसलिए विधानसभा चुनावों के बाद का समय 'सबकी कांग्रेस' का पटाखा फोड़ परिवार विरोधी कांग्रेसियों के लिए आदर्श है। (यों मोदी हैं तो पहले भी संभव है!) यदि कांग्रेस नवंबर-दिसंबर 2023 के चुनाव में एक-दो राज्य भी नहीं जीत पाई तो सोनिया-राहुल के लिए लोकसभा चुनाव से पहले चुनाव चिन्ह बचाना मुश्किल होगा। सवाल है नरेंद्र मोदी-संघ परिवार क्यों कांग्रेस से गांधी-नेहरू परिवार की मुक्ति चाहते हैं? (जवाब का खुलासा में बाद में कभी करूंगा)। प्राथमिक कारण है कि कांग्रेस नाम के ब्रांड का खूंटा ज्योंहि सोनिया-राहुल-प्रियंका याकि परिवार से मुक्त हुआ तो संघ परिवार के लिए हमेशा के लिए कांग्रेस का झंझट खत्म। तभी अगले डेढ़ साल निर्णायक हैं। पिछले आठ सालों में मोदी-शाह की रणनीति ने होशियारी से पहला काम यह किया कि सोनिया गांधी के पुत्र मोह की मंशा को समझ कर राहुल गांधी पर नैरेटिव बनवाया कि राहुल गांधी काबिल नहीं हैं। दूसरे दिवंगत अहमद पटेल के ब्रेनवास से शायद सोनिया गांधी ने माना कि प्रियंका ने कमान संभाली तो राबर्ट वॉड्रा के कारण मोदी सरकार कहर बरपा देगी। इसलिए प्रियंका हाशिए में ही रहें। मेरा मानना है कि अहमद पटेल के कारण ही प्रियंका को यूपी में खपा कर उनकी सियासी संभावना खत्म कराने का तानाबाना बुना गया। गहराई से सोचें यूपी के ताजा नतीजों के बाद लोगों के दिल-दिमाग में क्या प्रियंका उसी तरह फेल नहीं समझी जा रही हैं, जैसे राहुल गांधी का नैरेटिव है। यदि प्रियंका चुनावों से दूर रहतीं तो परिवार के पास एक विकल्प बंद मुठ्ठी लाख का होता। अहमद पटेल का दिमाग था जो राहुल यदि पप्पू तो प्रियंका की संभावना भी बेमतलब। ऐसा सोचना उनका कैसे हुआ, यह ईश्वर जानें। सभंव है राहुल गांधी की जिद्द के चलते सदिच्छा से प्रियंका को यूपी सुपुर्द करा कर सोचा हो कि वे वहां सफल होगी तो अपने आप उनकी लीडरशीप बनेगी। तभी अपना मानना रहा है कि सोनिया गांधी के वक्त में अहमद पटेल से कांग्रेस की बरबादी अधिक हुई और भलाई कम। हालांकि यह भी सही है कि सोनिया गांधी के पास उन जैसा भरोसेमंद मैनेजर दूसरा नहीं था। बहरहाल, ताजा चुनाव नतीजों के बाद राहुल गांधी की तरह प्रियंका गांधी भी अब नेहरू के आइडिया ऑफ इंडिया वाले मोदी विरोधियों की उम्मीद की किरण नहीं हैं। इसलिए मोदी-शाह की रणनीति में कांग्रेस को तोड़ने, उसे विपक्ष में बेगाना बना कर परिवार से मुक्त कराने का वक्त आया हुआ है। इसका खटका कुछ सोनिया-राहुल-प्रियंका को भी हुआ लगता है। तभी विधानसभा चुनाव के नतीजे आए नहीं और तुरंत कार्य समिति की बैठक बुलाकर दुनिया को बतलाया कि पार्टी में सब ठीक है। मगर इससे कुछ नहीं होना है। पार्टी में कलह बढ़ती जाएगी। असंतुष्टों को शह मिलेगी और हौसले बढ़ेंगे। कांग्रेस के विपक्ष में अलग-थलग बनने, उसके खत्म होने का परसेप्शन बढ़ेगा। क्या राहुल गांधी ऐसा संकट विजुअलाइज कर सकते हैं? काउंटर रणनीति बना सकते हैं? दिक्कत है कैसे बनाएं? उनके पास है कौन? किनसे उनका इंटरेक्शन है? क्या वेणुगोपाल, सचिन राव, कन्हैया जैसों से चल रहे दफ्तर और दिमाग के बूते वे परिवार की कांग्रेस विरासत बचा सकते है? सोनिया गांधी की उम्र और मजबूरी समझ आती है लेकिन राहुल गांधी बचपन से इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के वक्त का कांग्रेस परिवेश देखते हुए है। याद करें इंदिरा-राजीव की एआईसीसी और पीएमओ को। उस वक्त जैसा एक भी चेहरा क्या आज सोनिया-प्रियंका-राहुल की एआईसीसी, घर-दफ्तरों में है? कांग्रेसी बताते है कि अहमद पटेल के वक्त से भी अधिक अब बेपैंदे वाले, रियलिटी से कटे और मेल-मुलाकात के काम में भी दुकान लगाए राहुल की टीम है। भाजपा के सांसदों, कार्यकताओं के लिए मोदी-शाह, नड्डा से मिलना आसान है लेकिन कांग्रेसियों के लिए सोनिया-राहुल-प्रियंका से मिलना ज्यादा मुश्किल। हो सकता हैं मैं गलत हूं लेकिन मेरा मानना है कि पिछले आठ वर्षों में सोनिया-राहुल-प्रियंका ने एक भी दफा अनुभवियों, खाटी राजनीतिबाजों को बैठा कर विचार नहीं किया होगा कि मोदी-शाह की चुनावी-सियासी सफलता के क्या-क्या गुर है? कैसे मोदी-शाह को हराया जा सकता है? कभी इस तरह विचार नहीं हुआ होगा। ले देकर राहुल और उनके आंकड़ा विश्लेषक, उनके विचारक पुराने फॉर्मूलों, दिमाग के आग्रह-पूर्वाग्रह में राजनीति करते है। इस पुराने ढर्रे में पार्टी को चुनाव लड़ाते हैं कि लोग महंगाई, बेरोजगारी से तंग आ कर वोट देंगे। सांप्रदायिकता के खिलाफ खड़े होंगे। प्रियंका को देख कर महिलाओं का रूझान बनेगा। चन्नी दलित हैं तो दलित वोट देंगे। अशोक गहलोत, भूपेश बघेल काम कर रहे हैं तो राजस्थान, छतीसगढ़ में फिर सरकार बनेगी या भाजपा के पास चेहरा नहीं तो अपने पुराने चेहरे हरीश रावत को उत्तराखंड में उतारने से जीत जाएंगे या गुजरात में पच्चीस साल हो गए भाजपा को तो इस दफा वहा एंटी इनकम्बेंसी से कांग्रेस जीतेगी! इससे भी बड़ा राहुल गांधी का यह स्थायी ख्याल बताया जाता है कि कभी न कभी तो मोदी हारेंगे तो इसलिए पार्टी को कन्हैया जैसे संघर्षशील, कमिटेड चेहरों की टीम चाहिए। उनसे कांग्रेस चलेगी! सचमुच खाटी कांग्रेसियों की हताशा के कई आधार हैं। इन बिंदुओं पर गौर कंरेः-(1) राहुल गांधी सप्ताह में सातों दिन चौबीसों घंटे राजनीति नहीं करते। इसलिए मोदी-शाह-भाजपा-संघ परिवार की चौबीसों घंटे राजनीति व चुनावी धुन के आगे कांग्रेस क्या करें? (2) खुद राहुल के राजनीतिबाज नहीं होने के कारण उनके ईर्द-गिर्द नौकरशाह किस्म के विचार प्रबंधकों का घेरा बना है। ये अभी भी दलित, मुस्लिम, पिछड़ों की मंडलवादी-वामपंथी गणित में टिकट तय कराते हैं। सॉफ्ट हिंदुत्व से नुकसान का दिमाग बनाते हैं। (3) राहुल गांधी न हिंदी भाषण में धुरंधर (मोदी की तरह क्यों नहीं टेलीप्राम्प्टर की आदत बनाते?) हैं और न उत्तर भारत के खांटी कांग्रेसी नेताओं के लिए बातचीत का दरवाजा खुला रख, उनसे फीडबैक लेने, उनसे लगातार संपर्क बनाए रखने, जोश फूंकने पर ध्यान देते हैं। न ही उनके उपयोग का दफ्तर में कम्युनिकेशन कौशल है।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन: **9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

मुंब्रा शहर में छात्रों के ऊपर फीस के दबाव को लेकर स्कूल प्रशासन द्वारा किया जा रहा अत्याचार के खिलाफ पूर्व नगरसेवक जफर नोमानी ने छेड़ी जंग, बख्शे नहीं जाएगा स्कूल प्रशासन

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। बीते 2 वर्षों से कोरोना काल ने देशवासियों की आर्थिक स्थिति बद से बदतर कर दी है रोजगार खत्म हो गया देखा जाए तो इस कोरोना काल में सबसे ज्यादा बाधित मध्यम वर्गीय लोग हुए हैं और उस पर अत्याचार स्कूल प्रशासन द्वारा किया जा रहा है स्कूल के छात्र छात्राओं के एसएससी और एचएससी की परीक्षाएं शुरू हो चुकी है परंतु इस में सबसे बड़ा मामला यह सामने आ रहा है मुंब्रा कौसा में मौजूद तमाम स्कूल प्रशासन एसएससी के छात्र छात्राओं को हॉल टिकट मात्र इस बिना पर नहीं दिया जा रहा है कि उनकी फीस बकाया है जब यह शिकायत छात्र-छात्राओं की माता-पिता द्वारा एनसीपी के पूर्व नगरसेवक जफर नोमानी के कार्यालय में पहुंची तो उन्होंने इस मामले को सुना और गंभीरता से लेते हुए मामले की शिकायत राज्य की शिक्षण मंत्री वर्षा गायकवाड को लिखित रूप से दी और मांग की के स्कूल प्रशासन द्वारा जो छात्रों पर अत्याचार किया जा रहा है वह सरासर निंदनीय है छात्रों को बिना स्कूल की फीस जमा किए हॉल टिकट नहीं दिया जा रहा है उन्होंने कहा स्कूल प्रशासन मनमानी फीस छात्रों से वसूलने का काम मुंब्रा कौसा की तमाम स्कूलों द्वारा धड़ल्ले से किया जा रहा है और स्कूलों में छात्राओं के लिए जो

सुविधाएं पर्याप्त नहीं कराई जाती है उसकी भी छात्रों से फीस वसूली जाती है और फीस नहीं देने पर स्कूल के अध्यापक तमाम छात्रों के सामने छात्रों की बेज्जती की जाती है तो उन्होंने यह भी मांगने की है स्कूल प्रशासन छात्रों को तमाम छात्रों के सामने स्कूल की फीस का जिक्र न करें कैलेंडर में दिया हुआ माता पिता के नंबर पर सूचित कर उन्हें बुलाया जाए और अलग से किसी के सामने नहीं उनसे फीस के बारे में चर्चा की जाए उन्होंने एक स्कूल का नाम नहीं लेते हुए बताया कि मैं खुद उस स्कूल में गया था जिसमें छात्र की स्कूल की फीस बकाया थी और उसे हॉल टिकट नहीं दिया जा रहा था तभी मैंने प्रिंसिपल से बात की तो मुझे यह जवाब दिया गया कि बिना फीस के हम हॉल टिकट छात्र को नहीं देंगे जबकि यह पूरी तरह से गैरकानूनी है राइट टू एजुकेशन के तहत अगर कोई छात्र फीस जमा नहीं कर पाया किसी भी वजह से तू स्कूल प्रशासन उसे परीक्षा में बैठने के लिए रोक नहीं सकते पर मुंब्रा कौसा की स्कूल प्रशासन मे कानून का कोई खौफ नहीं है यहां तो बस अंधेर नगरी चौपट राजा टका सेर भाजी टका सेर खाजा का राज चल रहा है बस अपनी मनमानी कर अपनी जेबें भर रहे हैं जबकि बीते कोरोना काल के समय में छात्राओं ने ऑनलाइन क्लासेस की सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराने पर भी यह छात्राओं से फीस वसूली कर रहे हैं उन्होंने बताया मुंब्रा कौसा में तकरीबन सभी स्कूल प्रशासन अपनी मनमानी कर रहे हैं जबकि राज्य में जीआर भी पास हुआ था प्राइवेट स्कूलों में 15% स्कूल फीस में रियायत देने की बात कही गई थी फिर भी स्कूल प्रशासन वाले एक भी पैसा कम करने को तैयार ही नहीं है उन्हें यह जरा भी एहसास नहीं है यह छात्र उनकी स्कूल से पहली कक्षा से लेकर नवी कक्षा तक पड़ा है फिर भी हॉल टिकट बिना फीस लिए नहीं दिया जाएगा ऐसा नहीं है कि यह सिर्फ एसएससी परीक्षा का ही मामला है छोटी कक्षाओं में भी यही मामला चल रहे हैं बस स्कूल प्रशासन का यह काम है फीस भरो तू परीक्षा में बैठने मिलेगा अगर छात्र फीस जमा नहीं कर पाया तो वह माता पिता को सभी के सामने बेइज्जत करते हैं यह स्कूल प्रशासन ठीक नहीं कर रहा है उन्होंने इसकी शिकायत शिक्षण मंत्री वर्षा गायकवाड से की है और एक पत्र कलवा मुंब्रा के विधायक तथा राज्य के गृह निर्माण मंत्री जितेंद्र अवार्ड को भी दिया है अब मुंब्रा कौसा में स्कूल चलाने वालों की खैर नहीं है उन्होंने यह जंग छेड़ दी अब देखना यह है उनकी द्वारा की गई स्कूल प्रशासन की शिकायत पत्र के बाद शिक्षण मंत्री वर्षा गायकवाड मुंब्रा कौसा में चल रही तमाम स्कूलों पर क्या कार्रवाई करती हैं या आने वाला समय ही बताएगा गौरतलब बात आपको बता दें यह जो मुद्दा पूर्व नगरसेवक जफर नोमानी द्वारा उठाया गया है यह सराहनीय है और हकीकत यह है कि मुंब्रा कौसा में चल रही तमाम स्कूल प्रशासन भ्रष्टाचार कर रहे हैं स्कूल प्रशासन द्वारा किसी भी तरह का कोई भी कानून राइट टू एजुकेशन के तहत अमल नहीं करते हैं यह स्कूल मात्र एक कारोबार हो गया है और सिर्फ स्कूल प्रशासन अपना कारोबार यू कहे तो धड़ल्ले से चला रहे है ना छात्राओं पर किसी प्रकार का पढ़ाई पर ध्यान दिया जाता है एक ही क्लास के अंदर 60 से अधिक छात्र क्लास में उपस्थित रहते हैं अगर शिक्षण मंत्री वर्षा गायकवाड गंभीरता से इस मामले को ले तो कई स्कूल मुंब्रा कौसा की बंद हो जाएंगी।

कानपुर में गौरैया दिवस पर चलाया जन जागरूकता अभियान

कानपुर। रविवार को 'विश्व गौरैया दिवस' के अवसर पर 'स्वीट स्पैरो कम बैक होंम' अभियान व सेवादान सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में किदवई नगर क्षेत्र स्थित सोटे वाले हनुमान जी चौराहे पर जन जागरूकता अभियान चलाया गया। इस दौरान पम्फलेट, गौरैया के घोसलों, फीडर का वितरण कार्य भी हुआ। क्षेत्रीय वरिष्ठ नागरिकों ने इस प्रयास को सराहा और कहा कि इनकेअधिकतर अंडे और बच्चे गिर कर मरने लगे थे किंतु कानपुर में चलाए गए इस अभियान से स्थिति अब कानपुर क्षेत्र में बदलनी लगी है। स्वीट स्पैरो कम बैक होंम अभियान के संस्थापक संचालक गौरव बाजपेई ने जन जागरण के दौरान क्षेत्रीय नागरिकों को बताया कि गौरैया पेड़ों पर अक्सर घोसले नहीं बनाती सिर्फ अपने और अपने बच्चो को छिपाने के लिए उसे कनेर, अनार, बोगन बेलिया, शमी, बम्बूल, मालती की बेल, बेर, नींबू, शहतूत, करेन्डोला, फाइकस,मनोकामिनी जैसे, घने कटेदार झाड़ो की जरूरत होती है। लेकिन पेड़ों को छटाई के नाम पर कई बार उनकी हरियाली को 80- 100%

तक समाप्त कर दिया जाता है। अभियान के सिटी कोऑर्डिनेटर श्री अजय विश्वकर्मा ने कहा कि कुल मिलाकर 7000 से अधिक घोसले लगाए जा चुके हैं जिसके कारण शहर के कई स्थानों पर 7 गुने से 10 गुने तक की गौरैय्या की आबादी में वृद्धि आम जनों द्वारा देखी गई है। सेवादान सोसाइटी के संयोजक श्री आशुतोष त्रिपाठी ने बताया गौरैया के ये लकड़ी के घोसले ,गौरैया के अंडे और छोटे बच्चों को ऊंचाई से गिरने से 70 री 80 % अंडे और बच्चे बचा लेते हैं। किदवई नगर में अपने घर को ही गौरैया भवन बना देने वाले श्री प्रकाश धवन व नीता धवन दम्पत्ति ने बताया कि प्रतिदिन 2 मिनट के इस कार्य से आप बेजुबान मासूम पंछियों गिलहरियों को कड़कड़ाती धूप में पानी पिला कर मरने से बचा सकते हैं। अतः भोजन में लाईया, खील, रोटि पराठे पूड़ी के टुकड़े, काकुन, उबला चावल इन सभी गौरैया या अन्य पंछियों को पसंद होता है। हार्दिक त्रिपाठी, अंकिता यादव, प्रखर तिवारी, अनुराग तिवारी, हर्षित अवस्थी ,अमन शुक्ला, मृदुल, ने एक स्वर में अपील की कि गौरैया या अन्य पंछियों से कुछ लोगो को शिकायत रहती है कि वो उनके घर मे घास फूस गिराती हैं। जिसके कारण कई लोग इनके घोसले बीच से ही हटा देते है ऐसे लोगो को समझना चाहिए कि मनुष्य से ज्यादा गंदगी इस धरती पर फैलाने वाला कोई प्राणी नही है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

एसएस ब्रांच ने मलाड के एक बार में की छापेमारी

एक फंदा ग्राहक ने महिलाओं को मानदंडों का उल्लंघन करते हुए नृत्य करते हुए पाया जिसके बाद छापेमारी की गई। अधिकारी ने बताया कि हमने 25 महिलाओं को छुड़ाया है और 30 लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें ग्राहक, वेटर और भोजनालय-सह-बार के अन्य कर्मचारी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आईपीसी और महिलाओं का अश्लील प्रतिनिधित्व (निषेध) अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

मलाड पूर्व स्थित दिंडोशी पुलिस ने की बड़ी कार्रवाई

दिंडोसी पुलिस को सूचना मिली कि 2 आरोपी चरस बेचने के लिए गोरेगांव पूर्व शिवशाही मोकले मैदान में आने वाले हैं। पुलिस ने ट्रैप लगाकर दोनो आरोपियों को रंगेहाथ चरस के साथ किया गिरफ्तार। आरोपी गौरव प्रसाद (19), कृष्णकुमार पंडित (26) दोनो बिहार के रहने वाले हैं। इनके पास से लगभग 3 किलो चरस बरामद किया गया। जिसकी कीमत लगभग 1 करोड़ से ज्यादा है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से इस बात की जानकारी लगा रही है कि वे किन लोगों को मुंबई में चरस बेचने आये थे और कितने लोग इस गैंग में शामिल हैं।

कुर्ला इलाके में एक दोस्त ने गांजा के लिए युवक को इमारत की छत से धकेला नीचे

घटना मुंबई के कुर्ला इलाके की है मृतक की पहचान अमन उर्फ बिट्टू आफताब शेख (19) के रूप में हुई है। युवक छत पर गांजा पीने गया था, इस बार अपने गांजा को लेकर बहस कर रहा था। यह पता चला है कि अमन की हत्या उस समय की गई थी जब उसके दोस्त ने बहस के दौरान उसे छत से नीचे धकेल दिया था। घटना कुर्ला में रोशन मस्जिद, दावल चॉल के पास हुई। इस मामले में चुन्नाभट्टी थाने में हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मामले के संदिग्ध मोहम्मद सुल्तान अकबर अली खान को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

गोवा में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

गुप्त सूचना के आधार पर अपराध शाखा ने जाल बिछाया और संगोल्डा के एक होटल में हैदराबाद के व्यक्ति से 50 हजार रुपए में सौदा किया। इसके बाद दलाल ने जैसे ही तीन महिलाओं को पेश किया, उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, पकड़ी गई महिलाओं की उम्र 30 से 37 साल के बीच है। गोवा पुलिस की अपराधा शाखा की ओर से बताया गया है कि अपराध शाखा को गुप्त सूचना मिली थी कि हाफिज सैयद बिलाल नाम का शख्स देह व्यापार की गतिविधियों में शामिल है। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने अपना जाल बुनना शुरू किया। पुलिस ने बताया कि इस सूचना की पुष्टि कर लेने के बाद हैदराबाद के रहने वाले इस शख्स से फर्जी ग्राहक के सहारे संपर्क कर सौदा तय किया गया। सौदे के तहत 50 हजार रुपए दिए जाने थे और इन्हें संगोल्ड गांव के एक होटल में चुकाने की बात तय हुई थी। अपराध शाखा ने बताया कि 26 वर्षीय इस शख्स को 17 मार्च को उस समय गिरफ्तार किया गया, जब वह तीन अन्य महिलाओं के साथ मौके पर पहुंचा था।

बेटी की पढ़ाई छुड़ाकर बार में काम करने को मजबूर करने के लिये महिला के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

उन्होंने कहा कि लगातार उत्पीड़न से तंग आकर लड़की पिछले महीने घर से भाग गई और बाद में उसका पता लगा लिया गया, लेकिन उसने अपनी मां के साथ रहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि नाबालिग को खारघर स्थित बाल आश्रय गृह में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसने आपबीती सुनाई। अधिकारी ने कहा कि आईपीसी की धारा 323 (जानबूझकर प्रताड़ित करना) और किशोर न्याय अधिनियम के संबंधित प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान द्वारा होली मिलन समारोह सम्पन्न

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। अखिल भारतीय ध्यान योग संस्थान जानकी वाटिका कक्षा द्वारा होली मंगल मिलन सन्त निवास, नेहरू नगर मे एवं ऑनलाइन हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ योगाचार्य नेतराम जी ने ओ३म की ध्वनि और गायत्री मंत्र से किया और साधकों को सुक्ष्म अभ्यास के साथ साथ ताड़ासन,भस्त्रिका, कपालभांति और अनुलोम विलोम प्राणायाम का अभ्यास कराया और इसके लाभों की चर्चा की। कार्यक्रम संयोजिका वीना वोहरा ने सूर्य नमस्कार का अभ्यास कराया और उसके लाभों की चर्चा की उन्होंने स्नेह, प्यार और उमंग के साथ होली का त्यौहार मनाने पर बल दिया और होलिकोत्सव की सभी को हार्दिक बधाई दी और कक्षा में आये हुये सभी साधक साधिकाओं का आभार व्यक्त किया। विशेष आमंत्रित भाजपा वरिष्ठ नेता सुभाष शर्मा ने विषम स्थितियों मे कैसे खुश रहा जा सकता है पर विस्तृत चर्चा की। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उत्तर प्रदेश के प्रांतीय मंत्री प्रवीण आर्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कृत शिक्षा के अभाव में हमें वास्तविक तथ्यों का ज्ञान नहीं हो पाता है! होली एक प्राकृतिक पर्व है, भौगोलिक पर्व है। होली मनाने का सही विधान, वसन्त ऋतु के नए अन्न को यज्ञ (हवन) में आहुति देकर ग्रहण करना हैं। क्योंकि भारतीय संस्कृति दान देकर, बाँट कर खाने में विश्वास करती है। उन्होंने एक सुंदर गीत 'जो होली सो हो-ली भुला दो उसे, आज मिलने मिलाने का त्यौहार हैं, त्याग दो छल कपट की भावना, प्रेम गंगा बहाने का त्यौहार है।' सुनाकर सबको भाव विभोर कर दिया। गायिका श्रीमती सुमन बंसल ने होली का एक सुंदर गीत गा कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया!समाज सेवी श्री राम प्रकाश गुप्ता ने होली पर्व की सबको बधाई दी।इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती विभा भारद्वाज, वीना गुप्ता, रितु सिंघल, मीनू गोयल आदि उपस्थित रहे। शांतिपाठ के साथ सभा संपन्न हुई।साधक आपस में बधाइयाँ देते हुए घरों को लोटे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

स्वाभिमानी की जिलाध्यक्ष शेफ रफीक की न.पा. से मांग, रमजान के पवित्र महीने में चौथे-पांचवें दिन जलापूर्ति की जाए

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। मुस्लिम समुदाय में आने वाला महीना रमजान का पवित्र महीना और धार्मिक माना जाता है। फिलहाल गर्मी के दिनों में शहर में आठ-दस दिनों से पानी की किल्लत हो रही है। स्वाभिमानी की जिलाध्यक्ष शेख रफीक ने नगर परिषद के मुख्य अधिकारी को निवेदन द्वारा मांग की है के आने वाले पवित्र महीने के चौथे-पांचवें दिन जलापूर्ति की जाए। दिए गए निवेदन में उल्लेख है कि पिछले कुछ महीनों में कुछ नेताओं ने शहर को सूचित किया था कि एक दिन आड़ पीने की आपूर्ति की जाएंगी। लेकिन आने वाले अप्रैल महीने में रमजान का पवित्र महीना शुरू हो जाएगा। साथ ही मुस्लिम भाइयों का रोजा भी शुरू हो हो जाएंगे। नगर प्रशासन आज 8-10 दिन से पानी सप्लाई कर रहा है। इसके चलते नगर प्रशासन रमजान के पवित्र महीने के दौरान 5 दिन आड़ पानी की आपूर्ति कर नागरिकों की होने वाली परेशानी से बचाए जाए। शहर को पानी की आपूर्ति करने वाला येलगांव ध रण में भी भरपूर पानी है। इसलिए 5 दिन आड़ पानी की आपूर्ति संभव है। गर्मी का दिन होने के कारण शहरवासी गर्मी का असर महसूस कर रहे हैं। दसवें दिन भी पानी की आपूर्ति नहीं होने से नागरिकों को टैंकर से पानी खरीदना पड़ रहा है। कुछ नागरिकों को हैंड पंपों से पानी भरना पड़ रहा है। रमजान के रोजे से उनमें पानी भरना नामुमकिन हो जाएगा। चूंकि रमजान के दौरान रोजा रखने से उनके लिए पानी भरना असंभव हो जाएगा, इसलिए नगर पालिका को जल्द से जल्द नगरसेवकों की बैठक बुलानी चाहिए और एक प्रस्ताव पारित कर रमजान के इस पवित्र महीने में 5 दिन आड पानी की आपूर्ति की जाए, अन्यथा नप के मुख्य अधिकारी को बेशर्म फूल देकर स्वाभिमानी शेतकारी संगठन की ओर से आंदोलन शुरू किया जाएगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि आंदोलन के परिणामों के लिए प्रशासन जिम्मेदार होगा। इस मौके पर बयान देते हुए शेख रफीक शेख करीम, पवन देशमुख, अमोल मोरे, कडूबा मोरे, महेंद्र जाधव मौजूद थे।

जल जागरूकता अभियान चलाया

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलढाणा। शासन के निर्देशानुसार जिले में 16 से 22 मार्च 2022 तक 'जल जागरूकता सप्ताह' का आयोजन किया गया है। सप्ताह के अवसर पर जीजामाता प्रेक्षागार में 20 मार्च, 2022 को सुबह 7 बजे। वाटर रन स्पर्धा अमल में लाई गई। इस स्पर्धा मेंविधायक संजय गायकवाड़, कार्यपालक अभियंता सर्वश्री प्रशांत संत, कु. स्नेहल माने, रवींद्र सिंह परदेशी, साहा. मुख्य अतिथि के रूप में अधीक्षण अभियंता तुषार मेटकर, उप कार्यकारी अभियंता सुश्री क्षितिजा गायकवाड़, खेल प्रशिक्षक अनिल इंगले, चंद्रकांत सालुके उपस्थित थे। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रशांत संत ने जल संकल्प का वाचन किया। इस मौके पर विधायक संजय गायकवाड़ ने कहा कि राज्य में निकट भविष्य में पानी की भारी किल्लत होने की संभावना है। अतः इस संभावना को देखते हुए उपलब्ध जल का संयम से उपयोग करना चाहिए। सभी को जल साक्षर होकर जल बचाना चाहिए। इस जल दौड़ में पुरुष और महिला वर्ग के विजेताओं को प्रमाण पत्र, पुरस्कार राशि और पदक वितरित किए गए। इस जल दौड़ में नागरिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस प्रतियोगिता के रेफरी के रूप में विजय वानखेड़े और नीलेश शिंदे। रविंद्र गणेश ने योगदान दिया। दादाराव शेगोकर द्वारा संचालित और मनजीत सिंह राजपूत द्वारा धन्यवाद दिया गया।

आईएडब्ल्यूए एनजीओ ने सबसे लंबे कॉन्क्लेव के साथ एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया

20 देशों की 200 महिलाओं ने हिस्सा लिया

मुंबई। आईएडब्ल्यूए एनजीओ ने 8 मार्च 2022 को यूट्यूब पर सबसे लंबे कॉन्क्लेव के साथ एक विश्व रिकॉर्ड बनाकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मनाया, जहां 20 देशों की 200 महिलाओं ने इस ऑनलाइन कॉन्क्लेव में भाग लिया। डॉ दलजीत कौर उस शाम की क्यूरेटर और मेजबान थीं, जो एक अभिनेत्री, एक सोशल एक्टिविस्ट और एनजीओ आईएडब्ल्यूए की अध्यक्ष हैं। वह देश के विभिन्न हिस्सों में साल भर सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन करती रहती हैं, आज उनके पास 10,000 महिलाओं का एक ग्रुप है जो उनके साथ काम करती हैं। विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को समाज में उनके योगदान और सोशल मीडिया के माध्यम से स्तन और गर्भाशय के कैंसर के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए सम्मानित किया जाता है। जैसा कि आज दुनिया भर की काफी महिलाएं स्तन और गर्भाशय के कैंसर से पीड़ित हैं और समय पर उनका इलाज नहीं हो पा रहा है। एनजीओ आईएडब्ल्यूए इस समस्या पर दुनिया भर में सात साल से काम कर रही है। प्रख्यात डॉक्टर्स ने इन बीमारियों के लक्षणों को साझा किया और इस बीमारी से बचाव का तरीका बताया। 'परहेज इलाज से बेहतर है।' इस दर्द से गुजरे कैंसर योद्धाओं ने अपने अनुभव के बारे में भी बताया कि जीवन के इस चरण को उन्होंने कैसे गुजारा। नारी समाज के लिए ईश्वर की ओर से सबसे धन्य उपहार है। आज की महिलाएं समाज में बहुत उच्च स्तर तक पहुंच गई हैं। लेकिन फिर भी उन्हें पहचान की कमी है। समाज अभी भी किसी भी कंपनी या देश का नेतृत्व करने के लिए एक महिला पर भरोसा नहीं कर सकता है। हालांकि वह भगवान का सबसे जिम्मेदार उपहार है। वह जीवन बनाती है, बेटी, बहन, मां, पत्नी के रूप में पैदा होने के समय से लेकर औरत बलिदान का प्रतीक होती है..एक भावुक व्यक्तित्व के साथ अपने घर, परिवार, बच्चों और अपने सपनों को बहुत सारे दृढ़ संकल्प और संघर्ष के साथ मैनेज करती है। वह सुनिश्चित करती है कि उसके परिवार में हर किसी को उसकी जरूरत की हर चीज मिले। आईएडब्ल्यूए एनजीओ ने देश के विभिन्न हिस्सों के सिंगर्स और डांसर्स के साथ 8 मार्च 2022 को सुबह 11 बजे से रात 8 बजे तक महिला दिवस का जश्न मनाया। उस शाम के मुख्य अतिथि अनूप जलोटा जी, विशिष्ट अतिथि थे न्यू यॉर्क से महामहिम मधुकृष्ण जी विशेष अतिथि जम्मू से डॉ भूपिंदर जी, हवाई से अर्मी हार्पर अपने बेटे के साथ संघर्ष कर रहे हैं जो कैंसर से लड़ रहे हैं, ऑस्ट्रेलिया से वनिता, जापान से असाही. मॉरीशस, मलेशिया, लंदन, दुबई, बहरीन, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका और भारत के लगभग सभी राज्यों के प्रतिभागियों ने इसमे भाग लिया। सतिन्द्र मल्होत्रा, जया दास, डॉ सनिपिना जयलक्ष्मी राव, ममता तिवारी, रश्मि राय, मनीषा महाकालकर, डॉ रितेश सुनहारे, स्तुति सक्सेना सिंह, कुसुमिता, चारण्य गुरुसत्य, चिंतन चौधरी आदि का नाम उल्लेखनीय है। आईएडब्ल्यूए एनजीओ महिला सशक्तिकरण के लिए काम करती है, कौशल विकास कार्यक्रम और शिक्षा प्रदान कराती है, व समाज के विभिन्न मुद्दों पर जागरूकता पैदा करती है।

सिपाहियों के मोहल्ले में हुआ महफिल का आयोजन

मदरसे के बच्चों की दस्तारबंदी कर ईनाम से नवाजा

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

राजसमंद, देवगढ़। शब-ए-बरात के उपलक्ष्य में बीती रात को सिपाहियों के मोहल्ले में स्थित मदरसा हनिफिया में महफिल का आयोजन किया गया जिसमें महफिल में भाग लेने वाले एक दर्जन से अधिक बच्चों की हौंसला अफजाई करते हुए दस्तारबंदी कर उन्हें सम्मानित किया गया।सिपाहियों के मदरसे में आयोजित महफिल का आगाज मौलाना खुर्शीद अहमद हाशमी ने कुरआन की तिलावत से किया। इसके बाद मदरसे में पढ़ने वाले बच्चे जैनुल आबेदीन, शाहिद हुसैन, नाजिश, शहजान, मोहम्मद अर्श, मोहम्मद आजम, रेहान हुसैन, शाहनवाज, सालु, अक्सा नाज, मोईन खान, जरीन, अफसरा, मोईन हुसैन, जिलानी आदि ने तकरीर, कलमा एवं नात पढ़कर सुनाई साथ ही हाजी मुश्ताक अहमद, हाजी बशीर अहमद, सलीम मोहम्मद, हमीदुद्दीन, जुबेर हुसैन सहित अन्य नातख्वाह ने भी नात-ए-पाक पढ़ी। इसके बाद महफिल में भाग लेने वाले सभी बच्चों को कमेटी की ओर से दस्तारबंदी कर सम्मानित किया गया। महफिल में मौलाना ने उपस्थित लोगों को शब-ए-बरात एवं आने वाले अगले महीने रमजान की फजीलते बयान की। इसके बाद सलाम पढ़कर देश मे खुशहाली के लिए दुआएं मांगी। इस दौरान पार्षद बबलू खान, आम मुस्लिम समाज के सदर मोहम्मद ताहिर, सलार मोहम्मद, गुलजार अहमद, रशीद मोहम्मद, रफीक शैख, खुर्शीद अहमद, पूर्व पार्षद जावेद अहमद, यूसुफ छिपा, जमील अहमद, हबीब शैख, महबूब शैख, जाबीर शैख, ईमरान शैख, अनीश शैख, रईश मोहम्मद, मकसूद शैख, अफजल हुसैन, अफरोज मोहम्मद आदि मौजूद थे। बच्चों के सम्मान समारोह का संचालन हाजी बशीर अहमद शैख ने किया।

अब्बासी सोसाइटी ने आठ साल बेमिसाल कार्यक्रम की बनाई रणनीति

सफलतापूर्वक आठ वर्ष पूर्ण होने पर किया जायेगा भव्य कार्यक्रम, नई कार्यकरिणी के गठन के लिये शुरू हुआ सदस्यता अभियान

मुंबई हलचल/अरमान उल हक

संभल। अब्बासी वेलफेयर हेल्थ एंड एजुकेशनल सोसायटी की ओर से एक बैठक का आयोजन कैंप कार्यालय कोट गर्बी में किया गया जिसमें सोसाइटी के सफलतापूर्वक आठ वर्ष पूर्ण होने पर आगामी 27 मार्च को नगर पालिका परिषद के सभागार में होने वाले कार्यक्रम 8 साल बेमिसाल की रणनीति बनाई गई इस दौरान सोसाइटी सलाहकार डॉ रशिक अनवर ने जानकारी देते हुए बताया कि सोसाइटी में अभी तक अपने सभी सामाजिक कार्य संतोषजनक किए हैं और भविष्य में भी सोसाइटी की ओर से अनेकों जन सेवी कार्यक्रमों का आयोजन कर कमजोर असहाय वर्ग की हर संभव सहायता की जाती रहेगी कानूनी सलाहकार सुब्हान अहमद एड0 ने बताया की सोसाइटी में पूरी निष्ठा मेहनत और लगन से कार्य करने वाले पदाधिकारियों के उत्साहवर्धन के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा और सोसाइटी के कार्यक्रमों में हिस्सा न लेने वाले निष्क्रिय पदाधिकारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा यूथ विंग अध्यक्ष सिब्ते अली ने कहा कि सफलतापूर्वक 8 वर्ष पूरे होने पर हम सभी का यह लक्ष्य है आने वाले समय में हम संपूर्ण उत्तर प्रदेश में सोसाइटी का विस्तार करते हुए और सोसाइटी की नीतियों से प्रदेश वासियों को अवगत कराते हुए उन्हें भारी संख्या में सक्रिय सदस्य बनाएंगे अंत में नई कार्यकारिणी के गठन का प्रस्ताव रखा गया जिसमें सभी सदस्यों ने एकजुट होकर प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए कहा कि हम सभी तन मन धन से सोसाइटी को आगे बढ़ाने में जुट जाएंगे। बैठक की अध्यक्षता सोसाइटी अध्यक्ष अजीम अब्बासी व संचालन प्रदेश संगठन मंत्री फरमान अब्बासी ने किया। इस दौरान शुऐब अहमद अब्बासी रेहान खान मोहम्मद सलमान आमिर सुहैल शाह आलम रौनक मोहम्मद जैद वकील हुसैन मोहम्मद आलम सहित काफी संख्या में सोसाइटी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

होली का पर्व प्यार व समानता का संदेश देता हैं: अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। आनन्द प्रकाश योग आश्रम तपोवन, ऋषिकेश में होली पर्व सोल्लास मनाया गया। सभी ने अपने जीवन से बुराइयों को त्यागने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ यज्ञ के साथ हुआ, आचार्य विश्वकेतु योगाचार्य ने यज्ञ करवाया।आचार्य श्री ने कहा कि यज्ञ परोपकार की भावना का संदेश देता हैं। अग्नि स्वयं जलकर प्रकाश और उष्मा प्रदान करती हैं, साथ ही ऊपर उठती अग्नि सदैव ऊपर उठने यानी प्रगति करने का मार्ग प्रशस्त करती है, कहती हैं हे मनुष्य तू जीवन में निरंतर आगे बढ़ और सफलता प्राप्त कर। उन्होंने अपने जीवन से एक बुराई छोड़ने का आह्वान किया। यज्ञ में इटली, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, अफ्रीका, अमेरिका, रूस के श्रद्धालुओं ने भी आहूति चढ़ाई। मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भारत पर्वों का देश है जिसमें होली उल्लास और रंगों का त्योहार हैं जो जीवन में उल्लास प्रसन्नता प्रदान करता हैं। यह प्यार, सदभावना व सामाजिक समरसता का पर्व हैं जिसमे सभी मिलजुल कर रंग लगाते हैं और नृत्य भी करते हैं।यह समाज में भाई चारा बढ़ाने का कार्य करते हैं। उन्होंने गुरुकुल कण्वाश्रम कोटद्वार में 4 जून से 12 जून 2022 तक युवक चरित्र निर्माण व योग साधना शिविर का निमंत्रण भी दिया। इस अवसर पर दिल्ली से आई प्रवीन आर्या, रोबिन चटर्जी (मुंबई), प्रकाशनि आदि के मधुर भजन हुए।प्रमुख रूप से मनु, सार्थ, आस्था आर्या, प्रमोद तिवारी, दीक्षा, प्रदीप रावत जी आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

परिवार सहित एक बार जरूर देखना चाहिए फिल्म द कश्मीर फाइल : प्रवीण भानुशाली

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष तेजिंदर सिंह तीवाना के नेतृत्व में और पार्टी के मुंबई प्रदेश महामंत्री (युवा मोर्चा) प्रवीण भानुशाली की उपस्थिति में ब्राह्मणों के अत्याचार परिदृश्य पर बनी फिल्म 'द कश्मीर' अपने चांदीवली इलाके के आम रहवासियों को मैक्सिस सिनेमा हॉल में युवा मोर्चा की तरफ से दिखाया गया। 'द कश्मीर' फिल्म शो के दौरान भारतीय जनता पार्टी महाराष्ट्र उत्तर भारतीय के वरिष्ठ नेता संजय पांडे भी प्रमुख रूप से प्रवीण भानुशाली के साथ उपस्थित थे। प्रवीण भानुशाली ने कहा कि कश्मीर में हुए कश्मीरी पंडितों के अत्यचार परिदृश्य पर बनी 'द कश्मीर' फिल्म पूरे भारत में दिखाई जा रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में किस तरह से देश में हिंदुओं के ऊपर कश्मीर में अत्याचार हुआ था, इस फिल्म के माध्यम से देश की जनता सामने रखने का काम जो फिल्म के डायरेक्टर और कलाकारों ने किया है, वह सराहनीये है। फिल्म देखने से पता चलता है कि किस तरह पंडितों-हिंदुओं पर कश्मीर में अत्याचार हुआ था। उन्होंने कहा की फिल्म के दृश्य देखकर सिनेमाहाल में बैठे लोगों की आंख से आंसू बह रहे थे। प्रवीण भानुशाली ने कहा की मुंबई महाराष्ट्र समेत मैं देश के सभी हिंदुओं का बहुत आदर करता हूँ और सभी से आग्रह करता हूं कि इस फिल्म को परिवार के साथ एक बार जरूर देखें।

बगीचे में युवक का लाश मिलने से फैली सनसनी

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। समस्तीपुर में अपराधियों का तांडव रुकने का नाम नहीं ले रहा। एक तरफ जहां हर कोई रंगों से सराबोर होकर होली के जश्न में डूबा था, वहीं समस्तीपुर में आपसी रंजिश में युवक को अपहरण कर गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की खबर से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुनास गांव का है जहां बगीचे से एक युवक का शव पाया गया है। मृतक की पहचान समस्तीपुर जिले के वैनी ओपी क्षेत्र के तहत चंदौली निवासी मनीष के रूप में की गई है। वह नाई का काम करता था। बताया जाता है कि 18 मार्च की शाम बाइक सवार अपराधियों ने मनीष का अपहरण कर लिया था। जिसके बाद मुफस्सिल थाना क्षेत्र के पुनास गांव के पास बगीचे से परिजनों ने शव बरामद किया। आशंका जताई जा रही है कि आपसी रंजिश में मनीष की हत्या की गई है। परिजनों की मानें तो किसी बात को लेकर कुछ लड़कों के साथ उसका विवाद हुआ था। जहां लड़कों ने उसे जान से मारने की धमकी दी थी जिसके बाद बाइक सवार बदमाशों ने चंदौली हनुमान मंदिर के पास से उसे उठा लिया। इसके बाद मुफस्सिल थाना क्षेत्र के तहत पुनास गांव के एक बगीचे में उसका शव पाया गया। मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया तथा पुलिस छानबीन में जुट गई है। हत्या से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

अंगड़िया से वसूली मामला: आईपीएस अधिकारी अग्रिम जमानत के लिए अदालत पहुंचे

मुंबई। आईपीएस अधिकारी सौरभ त्रिपाठी ने 'अंगड़िया' की शिकायत के आधार पर मुंबई पुलिस की अपराध शाखा द्वारा उनके खिलाफ दर्ज जबरन वसूली के मामले में अग्रिम जमानत का अनुरोध करते हुए सत्र अदालत का रुख किया है। जांच के दौरान उसका नाम सामने आने के बाद पुलिस ने हाल ही में उन्हें मामले में वांछित आरोपी के रूप में दिखाया था। पुलिस उपायुक्त त्रिपाठी ने अपने वकील अनिकेत निकम के माध्यम से इस सप्ताह की शुरूआत में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। मामले की सुनवाई 24 मार्च को होगी। निकम ने कहा, आईपीएस अधिकारी को मामले में फंसाया गया है। उनका नाम प्राथमिकी में नहीं था।

जे. पी. एस महाविद्यालय में मनाया गया होली मिलन समारोह

मुंबई हलचल/विद्या शंकर शुक्ला

घूरपुर, प्रयागराज। बुधवार को जेपीएस महाविद्यालय गौहनिया में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। तथा शिक्षकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर गले लगाया और होली की शुभकामनाएं दी वहीं विद्यालय के प्रधानाचार्य ने लोगों से कहा आपसी भाईचारा बनाये रखें होली हिंदुओं का एक सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है। इस अवसर पर पूर्णिमा मालवीय, रेखा श्रीवास्तव, राजीव सिंह, अकाउंटेंट संतोष श्रीवास्तव, प्रशांत श्रीवास्तव, सोनू शर्मा अभिषेक त्रिपाठी, अतुल श्रीवास्तव ज्ञानेंद्र पटेल, आरती सिंह, श्याम बाबू, स्वतंत्र श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव आदि कर्मचारी लोग मौजूद रहे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वाट्सऐप पर वीडियो कॉलिंग करके ब्लैकमेल करने वाली दिल्ली की बबिता शर्मा उर्फ सोनाक्षी शर्मा से सावधान!

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

भीलवाड़ा (राजस्थान)। आप मैसेंजर, फेसबुक, वाट्सऐप पर किसी लड़की से चेटिंग कर रहे हैं तो सावधान हो जाइए क्योंकि वो आपको मीठी मीठी सेक्सी बातें करके आपको उलझा कर ब्लेकमेल कर सकती हैं, जिससे आप अच्छी खासी लूट के शिकार हो सकते हैं! आपको बातों में उलझा कर रात को विडियो कोलिंग पर मस्ती करने की बात कहेगी और आप उसकी कहे अनुसार मीठी मीठी चुपड़ी बातों में आ जाएंगे बस यहीं से आपके उलझनें का सिलसिला शुरू हो जाएगा। जी हाँ आज हम अपने आप को कथित दिल्ली की बताने वाली बबिता शर्मा उर्फ सोनाक्षी शर्मा 9394160839 का वो काला सच का सनसनीखेज खुलासा करने जा रहे हैं जो आपको ऐसी घटिया लड़की बबिता शर्मा उर्फ सोनाक्षी शर्मा से नफरत करने और सावधान रहने पर मजबूर कर देगा। घटना अनुसार ये लडकी फेसबुक पर पत्रकार राठौड़ को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजती हैं फिर मैसेंजर पर चेटिंग करती हैं जब राठौड़ ने ये लड़का हैं या लड़की इसका पता करने के लिए इससे फोटो मंगाते हैं तो ये बोलती है मैं वाट्सऐप पर भेजती हूँ फिर इसने वाट्सऐप पर दो फोटो भेजे। फिर मैसेंजर पर चेटिंग कर बोली कि आपकी शादी हो गई तो राठौड़ ने इस मामले का पूरा खुलासा करने के लिए कह दिया कि शादी तो हो गई

पर उनका पत्नि के साथ मनमुटाव चल रहा हैं! राठौड़ ये चेटिंग अपने दोस्त के सामने कर रहे थे! फिर इसने राठौड़ से कहा कि दोस्ती करोगे! राठौड़ इस मामले की तह तक जाना चाहते थे! राठौड़ ने बात आगे बढ़ाते हुए कहा कि बिलकुल दोस्ती करेंगे तुम एग्री हो तो वो बोली बिलकुल एग्री हुं! फिर कुछ देर बाद इसका फोन आता है तो ये बाथरूम में जाने के लिए बोलती हैं और खुद बाथरूम में जाकर अपने सारे कपड़े उतार कर नंगी होकर सेक्सी अश्लील हरकतें करना शुरू कर देती हैं! कुछ देर बाद फोन डिस्कनेक्ट हो जाता और फिर वाट्सऐप पर चेटिंग करके बोलती हैं कि अभी मैं बाजार जा रही हूँ आप मेरे एक हजार रुपए डाल दो सौपिंग करनी हैं, तब राठौड़ सारा माजरा समझ चुके थे और बोले कि आज धुलंडी की छुट्टी हैं बैंक बंद हैं वो बोली किसी दुकान वाले से लेकर डाल दो और बोली कि एटीएम खुला है निकाल कर डाल दो तब राठौड़ ने कहा कि भीलवाड़ा में कल डकैती पड़ गई इसलिए एटीएम बंद हैं फिर उसने कहा कि कब डालोगे इस पर राठौड़ ने कोई जवाब नहीं दिया तो वो बोली कि पैसे डाल रहे हो या नहीं, बोली मैं यह विडियो यूट्यूब, फेसबुक पर डाल रही हूँ, ऐसे धमकी देकर ब्लेकमेल करने लगी तो राठौड़ ने ऐसी निर्लज्ज लड़की का पर्दाफाश करने की सोची और सारा मामला आपके सामने हैं! जबकि उसे खुद नही मालूम कि विडियो में वो खुद नंगी होकर नंगा नाच दिखा रही हैं! फिलहाल पत्रकार राठौड़ ने इसके नंबर सहित इसके खिलाफ ओनलाइन एफआईआर दर्ज करा दी हैं।

भोपाल में कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी, द्वारा नि. शुल्क स्वास्थ्य शिविर

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

भोपाल। भारत की जानी-मानी संस्था कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी, द्वारा कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी टी.टी. नगर भोपाल मध्य प्रदेश में स्थित सभी स्टॉप एवं कर्मचारियों का एवं आसपास की बस्तियों के गरीब बेसहारा लोगों के लिए स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य रुप से उपस्थित माननीय संजय श्रीवास्तव जी, (एसडीएम) अनुविभागीय अधिकारी टी.टी. नगर भोपाल माननीय श्री अवनीश मिश्रा सर तहसीलदार माननीय नायब तहसीलदार जनाब परवेज अली सर माननीय श्री अमृत लाल वानिया जी, माननीय राजेश रघुवंशी, जी सहायक देवीदास सर श्री अशोक शास्त्री सर आर आई हसन अली सर कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज एवं अन्य स्टॉप उपस्थित रहे जनरल चेकअप डॉक्टर माननीय अशोक प्रताप सिंह बुंदेला जी डॉ शेख जाकिर मल्लिका मैडम के द्वारा जनरल चेकअप किया गया 120 लोगों ने अपना चेकअप करवाया आई

चेक अप, प्रकाश आई हॉस्पिटल के डॉक्टरों द्वारा चेकअप किया गया जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित डॉक्टर एम एस राजपूत डॉक्टर महेश जाटव उमर खान संजीव राव सिंह साहिल शर्मा सिकंदर बैग के द्वारा आई चेक अप किया गया जिसमें 160 लोगों ने आई चेकअप करवाया दंत चेकअप डेनएशिया हॉस्पिटल, के डॉक्टरों द्वारा दंत से संबंधित चेकअप किया गया मुख्य रूप से उपस्थित डॉक्टर अनुपमा शुक्ला. डॉ रितु शर्मा. रक्षा सिंगरौली के द्वारा 65 लोगों का दंत चेकअप किया गया शासकीय मलेरिया के स्टॉप के द्वारा मलेरिया की जांच की गई इसमें मुख्य रूप से उपस्थित मलेरिया इंस्पेक्टर माननीय सैयद साजिद अली एवं माननीय भैया मियां के द्वारा मलेरिया की 35 लोगों की जांच की गई कानों की जांच वरदान स्पीच एंड हियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट के द्वारा ऑडियोमीटर स्पीच ऑडियोमीटरी बहरापन की जांच डॉक्टर माननीय आशीष चतुर्वेदी एवं वर्षा मालवीय के द्वारा चेकअप किया गया 70 लोगों ने कान का चेकअप करवाया सभी डॉक्टरों को माननीय श्री संजय श्रीवास्तव सर(एसडीएम) एवं स्टाफ के द्वारा सभी डॉक्टरों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया कायनात ह्यूमन डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष वरिष्ठ समाजसेवी शेख फैयाज को शील्ड एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया सभी लोगों ने संस्था एवं डॉक्टरों का स्वास्थ्य शिविर लगाए जाने हेतु खूब सराहना की खूब दुआओं से नवाजा गया आशीर्वाद भी दिया गया संस्था निरंतर 10 वर्षों से स्वास्थ्य के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रही है अगर कोई समाजसेवी सज्जन व्यक्ति अपनी कालोनियों में या गरीब बस्तियों में स्वास्थ्य से संबंधित कैंप लगवाना चाहते हैं तो संस्था से संपर्क कर सकते हैं एक छोटा सा प्रयास स्वस्थ जीवन का आधार।

पुलिस विभाग की कड़ी निगरानी में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया होली का पर्व

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। होली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, पुलिस विभाग की रही कड़ी निगरानी, शरारती तत्वों पर रखी गई पैनी नजर, मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी मनाया शब ए बरात का पर्व गंगा जमुना तहजीब की गई मिसाल कायम नगर सहित आस पास के क्षेत्र में होली एवं शब ए बरात का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाईचारे की भावना रखते हुए मुस्लिम एवं हिन्दू समुदाय के लोगों ने गंगा जमुना की तहजीब को कायम रखते हुए एक दूसरे को मुबारकबाद पेश की गई एक दूसरे को गुलाल लगाकर

खुशी मनाई गई उधर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने भी शब ए बरात के मौके पर मस्जिदो में इबादत की गई इबादत के दौरान मुस्लिम भाइयों ने अपने गुनाहों की सजा से छुटकारा पाने के लिए दुआऐ मांगी बाजार के अन्दर होली के अवसर पर पूरे दिन सामान खरीदने वालों की काफी भीड़ भाड़ रही रात्री के समय में काफी चहल पहल रही प्राइवेट बसों सहित अन्य वाहनों में यात्रियों के आने जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा वाहनों की काफी लम्बी कतारे लगी रही पुलिस विभाग के प्रयासों के चलते वाहनों के आने जाने को किसी तरह चालू कराया गया होली एवं शब ए बरात के मौके पर कहीं भी किसी प्रकार का अप्रियं घटना घटित होने का समाचार नहीं हैं हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की पैनी नजर रही शराब की दुकानों की भी चेकिंग की गई जिस पर नियंत्रण किया गया इस मौके पर कोतवाल गौरव सिंह यादव, जितेन्द्र कुमार, अंशू यादव, कुल्वीर सिंह आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

चुनावों में जीत के बाद क्या अब योगी सरकार का 'बुलडोजर' पत्रकारों पर ही चलेगा?

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

आगरा। यूपी पुलिस ने आगरा में पंजाब केसरी के पत्रकार गौरव बंसल पर 08 मार्च को मतगणना में हंगामे के कवरेज के बाद बवाल करने और सरकारी कार्यों में बाधा पहुंचाने जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। ओर पुलिस ने पत्रकार गौरव बंसल को उनके घर से उठा लिया और थाने ले आए उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों में वर्तमान सरकार की वापसी के बाद यह तय हो गया था कि प्रदेश में बुलडोजर चलेगा पर अब ऐसा लग रहा है कि सीएम योगी आदित्यनाथ का बुलडोजर पहले मीडियाकर्मियों को ही निशाना बनाने लगा है। योगी शासन और प्रशासन की निगाह पर इस बार पत्रकारों पर है।आगरा में पंजाब केसरी के पत्रकार गौरव बंसल पर 08 मार्च को मतगणना में हंगामे के कवरेज के बाद बवाल करने और सरकारी कार्यों में बाधा पहुंचाने जैसी धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। थाने में पत्रकार को रात भर जानवरों की तरह पीटा गया। उसे थर्ड डिग्री दी गई। मां-बहन की भद्दी भद्दी गालियां लगातार दी जा रही थी। इस दौरान पत्रकार गौरव बंसल फूट-फूट कर रोते रहें लेकिन पुलिसकर्मियों पर जैसे खून सवार हो चुका था। उन्होंने पत्रकार को खूब पीटा। सुबह जब पत्रकार को मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया तो

पत्रकार सिसकियां भरने लगे। मजिस्ट्रेट के सामने अपने साथ हुई ज्यादती को बयां करते हुए पत्रकार गौरव बंसल ने बताया कि पुलिसकर्मियों ने रात भर थाने में उनपर थर्ड डिग्री का इस्तेमाल किया। बेइज्जत करने के लिए महिला कर्मियों को बुलाकर पिटवाया गया। थानेदार और अन्य पुलिसकर्मियों ने रात को भद्दी गालियां देते हुए कई बार लॉकअप से निकालकर पिटाई की। गौरव ने यह भी बताया कि यूपी पुलिस ने उनके साथ ऐसा ही व्यवहार किया जैसे किसी शातिर अपराधी के साथ किया जाता है। फिलहाल अधिवक्ताओं की दलील के बाद गौरव को 21 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।एक पत्रकार पर पुलिसिया दमन की इस घटना को लेकर मीडिया जगत में खासा रोष व्याप्त है। इस घटना के विरोध में प्रेस क्लब, आगरा ओर आईरा टीम ने अपना होली मिलन समारोह भी रद्द कर दिया है। आपको बता दें कि पत्रकार गौरव बंसल की गिनती आगरा के ईमानदार और निष्पक्ष पत्रकारों में होती है जो लगातार आम जनमानस के मुद्दे मीडिया के जरिये उठाते रहते हैं ऐसा लग रह है कि योगी सरकार की सत्ता में वापसी से पुलिसकर्मियों का मनोबल इतना बढ़ गया है कि वे अब इसे पत्रकारों और शरीफ लोगों पर भी निकलने से नहीं चूक रही है। हम आपको बता दें कि यह वही यूपी पुलिस है जिसे हमने अपराधियों के मुकाबले में खेतों में मुंह से ठांय-ठांय की आवाज निकालते देख ओर सुन चुके हैं।

सिर्फ केले ही नहीं, इन चीजों से भी मिलता है भरपूर Potassium

अक्सर लोग हेल्दी रहने के लिए डाइट में विटामिन, कैल्शियम, आयरन और प्रोटीन आदि पोषक तत्वों को लेना जरूरी समझते हैं लेकिन पोटेशियम की तरफ ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाता। क्या आप जानते हैं कि दिन भर पर्याप्त मात्रा में पोटेशियम का सेवन करना न केवल आपके दिल के लिए फायदेमंद होता है, बल्कि यह शारीरिक ढांचे और मांसपेशियों के लिए भी लाभकारी होता है। इसकी कमी से मांसपेशियों में दर्द, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की धड़कन का धीमा होना जैसी समस्याएं होने लगती है। इन प्रॉब्लम्स से बचने के लिए अपनी डाइट में इन फूड्स को जरूर शामिल करें-

कितनी मात्रा है जरूरी?

शरीर में पोटैशियम की कमी को हाइपोक्लेमिया कहा जाता है। स्वस्थ रहने और बीमारियों से बचने के लिए हर किसी के शरीर को रोजाना 47000 मिलीग्राम पोटैशियम की जरूरत होती है। हालांकि लोगों को लगता है कि केला ही एकमात्र पोटेशियम का सबसे बड़ा स्त्रोत है लेकिन ऐसा नहीं है। केले के अलावा ऐसे और भी बहुत-से आहार है, जो पोटेशियम की कमी को पूरा करते हैं।

पोटेशियम के लिए खाएं ये आहार

➤**आलू** - आलू को पोटेशियम का स्त्रोत माना जाता है। एक मीडियम साइज के उबले हुए आलू में 941 मिलीग्राम पोटैशियम होता है। ये दैनिक जरूरत का लगभग 20 प्रतिशत है। आलू में मौजूद स्टार्च गठिया रोग में भी फायदेमंद होता है। आलू के अलावा शकरकंद में भी भरपूर पोटैशियम होता है।

➤**दही** - दही में कई पोषक तत्व होते हैं। इसमें कैल्शियम भी भरपूर मात्रा में होता है, जो हमारी हड्डियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। लेकिन, शायद आपको यह न पता हो कि दही में पोटेशियम भी प्रचुर मात्रा में होता है। करीब 220 ग्राम नॉन-फैट दही में 579 मिलीग्राम तक पोटेशियम होता है।

➤**हरी बीन्स** - दिल के लिए भी हरी बीन्स का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। इसमें भरपूर मात्रा में फ्लेवेनॉएड्स मौजूद होते हैं, जो ब्लड क्लॉट्स को जमने से रोकते हैं। इसके अलावा हरी बीन्स में पोटेशियम की भी भरपूर मात्रा पायी जाती है, जो ब्लड प्रेशर को कण्ट्रोल में रखने का काम करती है।

➤**तरबूज** - तरबूज भी पोटैशियम का बहुत अच्छा स्त्रोत है। गर्मियों में तरबूज के सेवन से शरीर के लिए जरूरी मिनरल्स तो मिलते ही हैं साथ ही इससे शरीर में पानी की कमी भी पूरी होती है। शरीर में पानी की कमी से डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है। दो मीडियम साइज के तरबूज में लगभग 641 ग्राम पोटैशियम होता है, जो आपकी दैनिक जरूरत का लगभग 14 प्रतिशत है। तरबूज में लाइकोपीन भी होता है जो कैंसर के खतरे को कम करता है।

➤**चुकंदर** - चुकंदर में शरीर को फायदा पहुंचाने वाले ढेर सारे तत्व होते हैं। चुकंदर में पोटैशियम भी भरपूर पाया जाता है। एक कप चुकंदर में लगभग 518 मिलीग्राम पोटैशियम होता है जो आपकी दैनिक जरूरत का लगभग 11 प्रतिशत है। चुकंदर में आयरन भी भरपूर होता है इसलिए ये ब्लड में हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है और एनीमिया जैसे खून की कमी वाली बीमारियों से बचाता है।

➤**पालक** - पालक गुणों की खान है और इसमें ढेर सारे मिनरल्स और विटामिन्स होते हैं। पालक में पोटैशियम की मात्रा भी भरपूर होती है। एक कप पालक में लगभग 540 मिलीग्राम पोटैशियम होता है। इसके अलावा पालक आयरन और फाइबर का भी महत्वपूर्ण स्त्रोत है। इसलिए इसके सेवन से शरीर को कई स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। एनीमिया में पालक के सेवन से लाभ मिलता है।

➤**संतरे का जूस** - संतरे का जूस नाश्ते में बेहद फायदेमंद होता है। संतरे को विटामिन सी से भरपूर माना जाता है। लेकिन, इसके साथ ही इसमें भरपूर मात्रा में पोटेशियम भी होता है। इसकी सबसे अच्छी बात यह है कि इसे बनाना भी बेहद आसान है। और साथ ही अगर आपको संतरे को यूं ही खाना चाहें तो भी कोई दिक्कत नहीं।

➤**टोमैटो सूप और सॉस** - टोमैटो सूप और सॉस में भी पोटैशियम की मात्रा भरपूर होती है। एक कप सूप में लगभग 728 मिलीग्राम पोटैशियम होता है जो आपकी दैनिक जरूरत का 15 प्रतिशत है लेकिन सॉस में शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है इसलिए अगर आप पोटैशियम की जरूरत पूरी करने के लिए टोमैटो सॉस खाते हैं तो आपको लो-शुगर टोमैटो सॉस लेना चाहिए। इसके अलावा टमाटर की सब्जी, चटनी या उबले टमाटर के सेवन से भी पोटैशियम मिलता है।

ग्रीन टी से दूर होंगे डार्क सर्कल्स, यूं करें इस्तेमाल

चेहरे की खूबसूरती में अहम रोल अदा करती हैं आंखें। मगर भागदौड़ भरी जिंदगी, काम की टेंशन या देर रात जागने से आंखों ने नीचे काले घेरे यानी डार्क सर्कल्स की समस्या आम देखने को मिलती हैं, जिससे आंखों की हमारे चेहरा भी डल व बिमार नजर आने लगता हैं। मेकअप के जरिए इन सर्कल्स का कुछ समय के लिए तो छिपाया जा सकता है लेकिन हमेशा के लिए नहीं। वहीं कुछ लड़कियां पमार्नेंट के लिए डार्क सर्कल्स का गायब करने के लिए कई क्रीम्स का इस्तेमाल करती है लेकिन आप टी बैग के जरिए आसानी से आंखों की समस्या ने नेचुरली खत्म कर सकती हैं। आइए जानते है कैसे।

ग्रीन टी बैग्स से हटाएं डार्क सर्कल्स

अगर आपकी आंखों के आसपास काले घेरे या आंखें सूजी रहती हैं तो टी बैग्स का इस्तेमाल करें। ग्रीन टी बैग्स पानी में डूबोकर 2-3 मिनट रखें, ऐसा करने से यह अच्छे से गीला हो जाएगा। फिर आप इसे अपनी आंखों के ऊपर रखें और 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दे।ऐसा करने से आपके डार्क सर्कल दूर होंगे। इसके अलावा भी इससे कई तरह की ब्यूटी प्रॉब्लम दूर होती हैं।

ग्रीन टी बैग्स के अन्य फायदे

ग्लोइंग स्किन के लिए भी बेस्ट - अगर आपके चेहरे का ग्लो खत्म हो गया है तो पानी में भिगे ग्रीन टी बैग्स को खोलकर 1 कटोरी में डालें। फिर इसमें 1 चम्मच शहद डालकर पेस्ट बना लें। इसे अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मलें, फिर कुछ देर बाद चेहरा धो लें। इससे आपके चेहरे पर निखर आएगा। अगर आपके पास वक्त नहीं है तो आप गर्म टी बैग का एक्स्ट्रा पानी निचोड़कर भी चेहरे की कुछ देर मसाज करें, इससे भी आपका चेहरा ग्लो करने लगेगा।

स्किन के डेड सेल्स दूर - चेहरे की मृत त्वचा यानी डेड सेल्स हटाने के लिए टी बैग्स काफी कारगर है। इसे इस्तेमाल करने के लिए टी बैग्स को गुनगुने पानी में डालें और उस पानी से अपने चेहरे या पैरों को धो लें। इससे डेड स्किन की समस्या भी दूर होगी।

ऑयली स्किन के लिए बेस्ट - गर्मियों में ऑयली स्किन वालों को पसीने की वजह से काफी प्रॉबल्म का सामना करना पड़ता है। ऐसे में स्किन का ऑयल कंट्रोल करने के लिए ग्रीन टी बैग्स का इस्तेमाल करें। इससे काफी फायदे मिलेगा।

शाइनी व सॉफ्ट बाल - टी बैग को गुनगुने पानी में डालने के बाद उसे ठंडा कर लें। अब इस पानी को बालों को धोने के तुरंत सिर पर डालें और 10 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। आप चाहे तो इससे बालों की मालिश भी कर सकती हैं। इसके बाद शैंपू करें। इससे बाल डैंड्रफ मुलायम और चमकदार बनते हैं।

स्किन होगी डिटॉक्स - टी बैग्स से आप फेस मास्क भी बना सकती हैं। बराबर मात्रा में बेकिंग सोडा और ग्रीन टी में थोड़ा सा शहद मिला लें। इससे आपकी स्किन डिटॉक्स होगी और झुर्रियों की समस्या दूर होगी।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

अनुष्का शर्मा ने छोड़ी फिल्म मेकिंग

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने अपने प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ा बड़ा ऐलान किया है। अनुष्का शर्मा ने जानकारी दी है कि वह अब फिल्में प्रोड्यूस नहीं करेंगी। एक लंबे पोस्ट को शेयर करते हुए अनुष्का शर्मा ने कहा कि वह अपने प्रॉडक्शन हाउस 'क्लीन स्लेट फिल्म्स' से पीछे हट रही हैं। उनके द्वारा गठित इस प्रॉडक्शन हाउस को अब पूरी तरह से उनके भाई कर्णेश शर्मा संभालेंगे जिन्होंने अभी तक तमाम बड़ी जिम्मेदारियों को निभाया है। अनुष्का शर्मा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया। उन्होंने कहा कि वह अपना फोक्स ऐक्टिंग पर ही रखना चाहती है। इस वजह से वह प्रॉडक्शन हाउस से पीछे हट रही हैं। अब से वह बतौर ऐक्टर ही काम करेंगी। साथ ही अपने प्रॉडक्शन हाउस सीएसएफ की जिम्मेदारी भाई करणेश को सौंपते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। अनुष्का शर्मा ने लिखा, मैंने भाई कर्णेश शर्मा के साथ क्लीन स्लेट फिल्म्स की शुरूआत की। हमारा एक ही एजेंडा था कि हम अच्छे सिनेमा को दिखाए और दर्शकों को एंटरटेन करें। अगर आज मैं इस जर्नी को पीछे मुड़कर देखूं तो मैं गर्व महसूस करती हूं कि हमने जो काम किया और हासिल किया। मैं इस काम का श्रेय कर्णेश को देना चाहती हूं जिन्होंने इस काम को बखूबी संभाला।

प्रतीक बब्बर को संजय लीला भंसाली ने ऑफर किया था 'सांवरिया'

बॉलिवुड ऐक्टर प्रतीक बब्बर इन दिनों चर्चा में हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी जिंदगी से जुड़े कई राज खोले हैं। अब उन्होंने एक बड़ा खुलासा किया है, जो रणबीर कपूर की डेब्यू मूवी 'सांवरिया' से जुड़ा है। अब प्रतीक ने बताया है कि फिल्म के डायरेक्टर संजय लीला भंसाली उन्हें कास्ट करना चाहते थे, लेकिन उस समय वो रिहैब में थे और ये मौका उनके हाथ से निकल गया। प्रतीक बब्बर ने बताया कि उनके एक मजेदार कहानी है। उन्होंने कहा, मैं जब 18 साल का था और रिहैब में था, तब सांवरिया के लिए संजय लीला भंसाली ने मेरे घर पर फोन किया था। मैं छोटा था और रिहैब में था, इसलिए ये फिल्म नहीं कर पाया। उन्होंने ये भी बताया कि उनके ग्रैंड पैरेंट्स ने कुछ साल बाद इसके बारे में बताया था। जानकारी के मुताबिक, प्रतीक उस समय ऐक्टर नहीं बनना चाहते थे। उन्होंने इसके बारे में बताया है कि उनके पैरेंट्स राज बब्बर और स्मिता पाटिल हिंदी सिनेमा के बेहतरीन ऐक्टर्स रहे हैं, लेकिन वो ऐक्टर नहीं, बल्कि एक रॉकस्टार बनना चाहते थे। और इससे पहले उन पर क्रिकेटर बनने का जुनून भी सवार हुआ था।

विद्या ने किया खुलासा

जल्द ही शेफाली शाह के साथ थ्रिलर फिल्म 'जलसा' में नजर आ रहीं विद्या ने बताया कि एक बार जब उन्हें एक फिल्म से हटाया गया था तो उससे वह इतने गुस्से में आ गई थीं कि गर्मी के मौसम में मरीन ड्राइव से बांद्रा तक पैदल चली गई थीं। एक हालिया इंटरव्यू में विद्या ने कहा, 'आज मुझे बहुत सारे प्रड्यूसर्स के कॉल्स आते हैं जिन्होंने मुझे पहले फिल्मों से निकाल दिया था। लेकिन मैं अब उनकी फिल्मों को बिल्कुल शिष्टता के साथ मना कर देती हूं। मुझे 13 बार फिल्मों से निकाला गया। जब प्रड्यूसर ने मुझे फिल्म से निकाला तो उनका व्यवहार मेरे साथ बहुत खराब था। उन्होंने मुझे 6 महीने तक ऐसा महसूस कराया जैसे मैं बेहद बदसूरत हूं। मेरे अंदर इतनी हिम्मत भी नहीं बची थी कि खुद को आइने में देख सकूं।' विद्या ने साल 2003-2004 के आसपास एक फिल्म से निकाले जाने का वाकया याद करते हुए बताया, जब मुझे कई फिल्मों से निकाला गया था तब मैंने के बालचंदर के साथ 2 फिल्में साइन की थीं। मुझे इन दोनों फिल्मों से भी निकाल दिया गया और बताया भी नहीं गया। मुझे कुछ गलत लग रहा था क्योंकि हम लोग न्यू जीलैंड में शूट करने वाले थे और उन्होंने मेरा पासपोर्ट भी नहीं मांगा था। जब मेरी मां ने बालचंदर की बेटी को कॉल किया तो मुझे पता चला कि फिल्म से निकाल दिया गया है। मैं इतनी नाराज हो गई थी कि गर्मी में घर से बाहर घंटों पैदल घूमती रही। मैं उस दिन बहुत रोई थी।